328

श्रीसीतारामरसतरंगग्रन्थंप्रारंभ

श्रीरसिकअलीजीकावा
तिकग्रंथछुआमप्रारंभ

…सिकअलीकृत

श्रीजानकीवल्लभोविजयतेतरामश्रीसर्वेश्वरीयैनमः॥॥ वंदेगुरुंगुणनिधिंगुणातःपरंचश्रीजानकी
रघुवरंहिपुनःकृपालुं श्रीवायुनंदनमनंतवलप्रतापंसर्वानन्यरासिकमौलिजानकीरघुनंदनयोर्नानावि न
लासश्रृंगाररसानुभावितंकृतंवार्तिकेनकथयामी प्रथमहिपिछलीरात्रिघटिकाचाररहततवश्रीमहाराज
कोशलेशजूकेद्वारनौवतवजनलगतत तिनकोसुनिकैश्रीकनकभवनकेमध्यश्रीमहाराजकिशोरीजूकी
संपूर्णदासीअरुसखीजगतभईहै फिरिअपनीअपनीकुंजमैकोऊसोसमयकीरागसहितरागरागिनीम
धुरस्वरसोगानकरत्त शारंगीमृदंगतमूराजंत्रइत्यादिकवाजेवजाइकै फिरिअपरअपनेदंतधावनअंगुउ
वटनफुलेलमर्दनकरि फिरिस्नानकरिअंगरागसुगंधकुंकुमअंगलगाइसोरहश्रृंगारआभूषनतिनकोसजिकै
अपनेअपनेपरिकरसहितश्रीचारुसीलाजूकेमहलआवतिभई श्रीचारुसीलाजूकोप्रणामकरिदिव्यमणि
मयविशालसभामंडपमध्यअतिनर्मअतिविसालरेसमीगलीचाविछेतहांवैठतभई मध्यमेश्रीसर्वेश्वरी
कारीन्त्य जूसोभितहै अरुदिव्यवसनभूषनअतिप्रकासवततिनकोसजिकेनृत्यकरिरहीहै वाजेवजिरहेहै या
१० प्रकारसंपूर्णाजूध्येश्वरीआइदाखिलभई तवश्रीसर्वेश्वरीजूसोंचोपदारिनीविनतीकरतभई तिनकोसु
निकेश्रीचारुसीलाजूउठतई पुनिसंपूर्णाजूध्येश्वरीसहितश्रीमहाराजकिसोरीश्रीमहाराजकिसोरजू
केसैनमंदिरदिव्यमणिमयसंपूर्णस्तंभादिरचानायकजहांनानारंगकेगलीचेरेसमीविछेहै महामोल
कीमखापनानारंगकीताकीजाजमैविछेहै रुपहुलेसुनहुलेवादलेनकेचंदोवावरावरतनरहेहैतामेमोति

नकीझालरेमोतिनकेगुछेमोतिनकेलच्छेफविरहैहै तहांसवसमाजसहितश्रीसर्वेश्वरीजूवैठिकेमधुरमधु
रवाजनवजायमधुरस्वरसोंगानकरतभई तिनकोश्रवनकरिकेभीतरपरदानकेअंतरपलंगकीचोकीवाली
घासीघवासिनीजेसोवतरही तेसवजागतभईअरुभीतरघासेसुकसारिकामणिरचितपींजरानमैसोंअति
मधुरवचनवोलनलगे श्रीलडैतीलालजूभोरभयोजागिये मुखमयंकप्रकासितहोय तिनकोविलोकिके
सवकेनेत्रसीतलहोय याप्रकारसुकसारिकावोलनलगे तिनकोसुनिकेश्रीलडैतीजूकोश्रीमहाराजकिसोर
जगावतभये तवप्यारेकेहस्तकमलपरसकोअतिसुखहोत तासोजागतहैफिरिश्रीलडैतीजूमुद्राकोसो
साधिरहतहै फिरिमंदमंदहसिकेभोरेसुभाईअतिरमकसोंश्रीराजकुमारकेगरेमेभुजडारिके आलसज
म्हाईलेतहै उनीदेनयनभोरसरोजकीछविकोपावतहै श्रीमुखकीसुगंधफैलिरही तिनकोआस्वादनक
रिवेकोभ्रमरमडरायरहेहै तिनकोश्रीनृपनंदनअपनेपीतपटसोंविडारतहै अरुप्रियापीतमकेमुखप
रअलकैछुटिरही सोमानोनागिनीचंद्रमाकेविषेअमृतपानकरतहै तासमयअंगनाअरुसषीसोंअं
गभूषनवसनश्रीलडैतीलालजूकेसुधारिकेदरपनदिषावतभई सोफिरिअदरसनभई तवश्रीसर्वे
श्वरीजूसवजूथेश्वरीसहितभीतरआइकै श्रीमिथिलेसकिसोरीजूकेअरुश्रीपीतमलालजूकेपदकमल
स्परसकरिकेप्रनामकरतभई प्रनामकरिदरपनदिषाईआरतीउत्थापनकीकरतभई तवश्रीमिथिलेस
नंदनीजूश्रीरसेंद्रकिशोरतिनकेअतिआदरकरतभये ताजीमदईफिरिश्रीपरमेश्वरीजूसहितसंपूरीमर
जीपाईकैवैठतभई गानकरनलागीअतिरंगसो ॥इतिश्रीमज्जनकराजकिशोरीसरणकृतायांश्रीसीता

रामरसतरंगन्यांप्रातरोत्थापनवरनोनंनामप्रथमस्तरंगः॥१॥ याप्रकारपरीवादरकीसमय
होतभई तवश्री नवलकिसोरकिसोरीमणिपरजंकसोउतरिकेमत्तमतंगपंचाननअरुहंसतिनको
लज्जीतकरतभये आलसभरेमंदमंदचलतहै चरणारविंदकेभूषनअतिमधुरशब्दकोकरतहै अरुजुग
लसहचरीपीछेचमरकरतीआवतहै जुगलसषीमुरछलकरतआवतीहै अरुचारिसषीवहुमोलवसनपा
वडेडारतजातिहै जुगलजुगलसषीजुगलजयशब्दतिनकोउच्चारनकरतजातहै नकीवरिमनिजटित
कंचननधरीहाथमेलिये आगेआगेमधुरउच्चस्वरसोवोलतिजातिहै अपरमणिकंचनकीसुमनधडीहाथमे
लियेललितश्रृंगारकिये सषीचारोओरजलेवमेचलीजातिहैछडीफेरतहै कंडककलाषेतीचलीजातहै
कनककंजमंजुकरकंजमेफिरावतजातहै मृदंगादिवाजनवजाईअतिमधुरस्वरसोंभैरवीतानललितगान
करतजातहै अरुनृत्यकरतहै अपरघवासिनीसोनानाभांतिकेसुकसारिकादिषिलोनालियेचहुओरसोभि
तहैअरुहाथिनकेछोटेछोटेछोनाभूषणकंठपदमैपहिरेअतिसुहावनीचालचलतमनहरतहै हिलाऊ
मोरअतिसुंदरसोआगे नृत्यकरतजातहै अरुअपरसषीश्रीजुगलसरकारकीसेंज कोऊपानदानम
णिमयकरकंजमैलियेसोभितहै यहप्रकारललितलीलालीललावन्यनिधिश्रीजनकनंदनीश्रीनृप
नंदनजूमंगलकुंजप्रथमचौकमैआवतभये तहासषीदुंदुभिवजावतभई तिनकोसुनिकेभीतरसोंजुग
लसषीकरमैमंगलादरशधारलैसनमुखआवतभई वंदनकरअर्घपावडेदेतभीतरमंडपमध्यलिवा
इजातभई॥ तहाकोवरनन॥ विद्रुमभूमिताम्मेमरकतकंचनपिरोजासीपजतिनकेवूटेवेलविवि

घिभाँतिकेवनेहै तिनमेंकिरनफूटिरहीहै चारोओरचौकोरचौषंडदहलानवनेहै दोषुलेदोआव
र्तीताकेतोरनवहुमणिकरिकेरचितचोषटकनकमयकपाटमरकतमणिमयजालदारषंभेललित
रचनासोवनेहै महरावनमेमोतिनकीझालरेललितलूमिरहीहै वडेवडेमोतिनकेलटूलटकतअतिछविपा
वतहै अतलसवादलाकीमषापवहुरंगकीताकेचदोवावाहिरभीतरतनरहेहै ता[illegible]मेरेसमकेलच्छाम
क्तामयलटकिरहेहै तहांविछौनाकंचनकलितवसनकीजाजमेविछीहै तापररेसमीगलीचेविछेहै रूप
हुलेसुनहुलेवादलनकेपरदापरेहै तिनकीढिगनमेकंचनकिंकिनीलगीहै सोझोरतवाधतझंकारकरत
है कुरसीचारोओरप्यालेदारवनीहै तकियेजालदारवहुमणिरचितवनेहै तिनकीकोरपरमणिर
चितवहुरंगकेपक्षीअतिसजतहै छज्जनपरकंगूरनपरतिनकोवेपक्षीअपनीसदृशदेषिभ्रमितहोतहै
चुंवनकरतहैषंभनभीतरपुतरीनत्यकरिरहीहै याप्रकारचारोवोररचनाताकेमध्येमेअतिविचित्रम
धुरमंडपसोभितहै तहांललितविछौनाविछेहै चारोओरतीनआवृतिमणिषंभतहांलालपीतनील
स्वेतहरितपरदेविचित्रपरेहै तहांमणिसिंहासनतामेदिव्यवसनगादीतकियालगेहै तापरसषीश्रील
डैतीलालजूकोवैठारिकैअर्घदेचरणप्रक्षालिआचमनकरवाइमुखप्रक्षालिआगेछिमंगलश्रृंगार
करतभई करनफूलवुलाककंठाधुकधुकीअंगदकरकंकन करजमुद्रिकाकटिसूत्रपगनूपुरचारुच
मकीलेवसनअंजनतिलकसमारतभई श्रीकिसोरीजूकेअंजनतिलकनीलवसनसीसफूलवंदीवे
दावेदीजरावनकवेसरताटंककंठपोतचंद्रहारकंकनमुद्रिकाआरसी इत्यादिकमंगलश्रृंगार

करि धूपमंगल दीपजुगलकरि मधुपरक दधिमंगलकरि अचवाइ वीरी देअतर सुगंध फूलमाल मंग
लमय पहिराय मंगलचौक पूरि मंगल पूरणकलस तापर मंगलदीप मंगलमय जवांकुर कंचन पात्र म
ध्यरोचन दुर्वांकुर मंगलपट एसर्ववस्तु मंगल दर्शन आगे रापि के कंचन थार मणिजटित तामे कपूर मि
श्रित घृतवाती अघ संजोइ गानकरि वाजे वजाय सषी मंगल आरती पुष्पवृष्टि करिके सषी दरपण मध्यजु
गलसोभा निरषतत नधनवारती है फिरि अति प्रेम सो अनूप करत भई ॥इति श्री मज्जन कराजकिशोरी सरणा
घ्रतायां श्री सीताराम रसषतरंगिन्यां प्रातमंगलचार श्री मंगलकुंज वरनननो नाम द्वितीय स्तरंगः ॥ यह
प्रकार प्रथम घटिका ऐक दिन आवत भयो फिरि मंगलकुंज सों श्री राजकिसोरी किसोर अमित परिकर सा
हित श्री दंतधावनकुंज को आवत भये तहां प्रथम चौक में नगारे वजत भये ताको सुनि के भीतर सों जुगल
कुंजेश्वरी मंगला दर्शी कंचन थार कर सरोज में धारि के अपर अपनी सषिन सहित श्री लडैतीलालजू को अर्घ पा
वडे देत अति आदर सों भीतर लिवाइ जात भई तहां मणिजटित विशाल कंचन चौकी तापर नरम बिछोना गादी त
किया तापर अति प्रेम सों सषी कुंवर किसोरी जू को वैठारत भई प्रथम अचवाय अति सुगंध सचिक्कन नर्म हरित
वरण इह प्रकार की दातून दंतधावन वृक्ष सों तोरि के सषी देत भई तासमय की सोभा श्री लडैतीलालजू विशाल
मणि चौकी तापर विराजत हैं श्री ललित चंद्रावली ताको तांबूल राग की जमावट छुटावत हैं चारो ओर कोटिन
स सषीन वीन वैजिन कीर तिंकुते अति सुंदर संपूर्ण कला प्रवीण सो सकल सों जको लिये षडी हैं दो सषी दो
उ ओर सुगंधित जल पूरित हेम झारी कर सरोज में लिये जल देत जात है दो सषी षेत अति निर्मल महीन

अंगोछाकरसरोजमेलियदोउओरखडीहै स्फटिकमणिकेसुघटितमधुरअचवनपात्रतामेसषीमुष
प्रक्षालनकरवावतजातहै मुषप्रक्षालनकरवाइअंगअंगोछाइतिलकअंजनवसनभूषनसाधारन
सजिकेसषीश्रीलडैतीलालकोमणिरचितवंगलातहारत्नजटितसिंहासनतापरवैठारिधूपदीपजु
गलवर्तिकावनाइ फिरिनानाभांतिकेमेवाफलतिनकोहेमथारमेराषिकेसषीप्रेमसोंपावावतेहै
दाषछोहारावदामअषरोटपिस्ताकचौगिरीमिसिरीमिलाइके चिरोंजीयेसवषगेविनफगेदोउप्रका
रकेवीजपागअमरूदमीठेवेरपनियाला अंजीरअंगूरसहतूतफालसाकेरासरीफाभिलोजीकाजू
विलाईतीइमलीषजूर कटहरवडहरनारंगीइमलीकेराफरेदासदाआमप्लकंदचमेलीकंद कमरष
पागइत्यादिअनेकनवस्तुमेवाफलतिनकोभोजनकरवाइअचवाइवीरीदेअतरसुगंधलगाइसषीवल्ल
भआरतीकरतभईअनेकवाजेतिनकोवजावतभइ सुगंधिफोहारेपुष्पवर्षीकरिदर्पणमध्यछवि
विलोकतभई फिरिसोसमयकीरागरागिनीललितकंठसोंगानकरतभई मृदंगमोहचंगसारंगीतमू
रायंत्रस्वरमंडलउपंगमुरलीमोहनसंगइत्यादिवाजेमिलाइकेसषीवजावतभई अरुनृत्यकरनला
गीअतिरंगसों॥इतिश्रीमज्जनकराजकिसोरीसरणाङ्कितायांश्रीसीतारामरसतरंगन्यांदंतम
ज्जनवल्लभभोगवल्लभभांतिवर्णनोनामतृतीयस्तरंगः॥३॥ यहप्रकारदोघरीदिनआवतभ
येतवश्रीलडैतीलालजूललितआमितसषिनसहितअस्नानकुंजकोआवतभये तहांप्रथमचौ
कमेअवाईकेनगारेवजतभयेतिनकोसुनिकेभीतरसोंजुगलसषीआतमनोहरछविजिनकी

दिव्यवसनभूषनतिनकोसजिकेमंजुकरकंजमेकंचनथारमंगलादर्शीकोलियसनमुषआवतभ
ई हावभावकटाक्षपूर्वकप्रणामकरिभीतरलिवाईजातभई॥तहाकोवररामा॥कंचनभूमितमे
मरकतविद्रुमफटिकमुक्तातिनकेवूटेवेलनानाप्रकारकेअतिसोभितहै तापरकीमहरावनमे
तहाचारोवारचौकोरचौषंउदहलानवनेहैताकीकुरसीतापदारवनीहै तापतापप्रतिएकएक
पुतरीसोभितहै तापनकीमहरावनमेमोतिनकीझालरेसोभितहैअरुदहलानमेषंभेप्रथमएका
वृतिचारोओरमोतिनकेवनेहै औरदुसरीआवृतिमेमरकतमनिकेषंभेहैतिनमेझालरयथासोभितरं
गकीसोभितहै वडेवडेमोतिनकेलटूलटकिरहेहै षंभनमेपुतरीघूमतहैनानारंगकेवस्त्रतिनकीजाजमे
चदेवापरदेविचित्ररचनासोंवनेहै छज्जनपरकंगूरनपरमणिकोरितनानाजालकेपच्चीवनेहै जिनकोदेषि
केभ्रमहोईनानारंगकीमणितिनकोरकोरकेमधुरफूलनकेविरवाचारोओरपांतिकीपातिसोभितहै ताके
मध्यमेनीलमणिरचितसारीकेवृक्षतिनकीदोहरीपांतिताकीचौकोरएकआवृतिललितवनीहै तामेचारो
पु वोरचारदरवाजेमणिरचितललितलतानकेपुष्पपत्रकीरचनाकरिकेतोरनादिकरचनावनीहै यहप्रकारचारो
वोरअतिललितरचनाताकेमध्यमेएककुंडहै ताकेचारोघाटफटिकमणिकेरचितहै तामेसीढीविद्रुमकीहा
थएकचौडीचारहाथलंवीविलोदएकऊंचीऐसेसोरहसोरहसोपानजललोवनेहै घाटकेऊपरदुषंडदोह
रीदहलानवनीहै संपूर्णरचनाहेममयहै षंभेमरकतमणिकेवनेहै झालरमोतिनकीमहरावनमेझूमरहीहै
वनतकीविसालचांदनीषंडषंड प्रतिनानारंगकीछतनमेलगीहै तामेमोतिनकेगुच्छमोतिनकेलच्छेमुकेसी

तापर वैठत संते वे चारौ पुतरी चौकी के चारौ कोने मे आइ लगे झारी मे सों जल धार चारौ की एक होइ के गिरे

झला झली के अति सोभित है ताहा विछौना जाजम रसमी विछी है तापर आतिन मंगली चै विछे है तहा चारौ
कोने मे चार चौकोर विशाल मज्जन कुंजवनी है ॥ ताकौ वरनन ॥ एक मै पूरी रचना हरि मणिमय है भूमि सं
कंचनमय है ताकी प्रांत रचना वहु मणिन रचित नाना प्रकार के वेल वूटे सोभित है मध्य मे एक अष्टकोण विसा
ल चौकी है ताके चारौ वोर फुहारे वने है सो वे फुहारे चौकी पर वैठत संते छूटन लगे अरु दुसरी कुंज मे भूमि
अरुण मणिमय है प्रांत रचना वहु मणिन रचित है तहा चारौ कोने मे चार पुतरी वनी है ताके हाथ मे झारी है रि
अरु मध्य मे अष्टकोण कंचन चौकी वहु मणिन खचित है तीसरी कुंज मे भूमि नील मणिमय है प्रांत रच
ना कंचनमय है तहा चारौ कोने मे चार हाथी कं[illegible]चनमय है ताके मध्य मे चौकोर चौकी विद्रुम की है
ताके ऊपर वैठत संते वे चारौ हस्ती सूंड करिके ऊपर जल डारे अरु चौथी कुंज मे भूमि स्वेत मणिमय है
२ प्रांत रचना वहु रंग रचित है तहा चारौ कोने मे चार मधुर होद है ताकी कल फेरत व जल भरि आवे ये
चारौ प्रकार के मज्जन स्थान ताकी सूक्ष्म नाली वोही कुंड मे लगी है अरु वा कुं[illegible]ड कौ जल स्वेत वर
न है कपूर के सी सुगंध अ[illegible]मीवत मिष्ट है अरु वसंत रितु मे किंचित गरम रहत है अरु ग्रीषम री
तु विषे अति सीतल रहत है वरषा रितु मे यथा अनुकूल हेमवंत रितु विषे गरम रहत है अरु सि
सिर रितु मे गरम रहत है तहा सषी श्री लडैती लाल को न्यारी न्यारी कुंज मे लिवाइ जात भई त
हा अंग अंग फुलेल मर्दन करि रुचि सों अंग अंग मीजि के सषि अन्हवावत भई फिरि नर्म
झीने वसन सों अंग अंग अंगोछि के वस्त्र सजत भई श्री किसोरी जू को श्री लाल जू को कीमषा

पकोन हगा घूम घुमारो तामे नारंगकी मसिराजटित वनतलगी है चोली अति विचित्र
तासकी सारी नीलता मे किनारी जरकसी की अति सोभित है अरु नन्दनंदनजू को धोती पी
तांकी किनारी लाल ता मे कनमसूत्र जाल ता के घरन मे नील रंग गोल फूल ता के बीच बीच अरु
न वूंदका अति सोभित है अरु बिजुरी कैसी तडपजा की या प्रकार की दिव्य धोती श्रीविमलाजू क
र सरोज मे लिये है श्रीराजकुमार पहिरत जात है अरु धोती पहिरि सिरपर ताज जडाउ किनारी
दार सखी पहिरावत भई फिरि तपदार लाल दुसाला ता को सरो सरोजादी सखी वोढावत भइ
या प्रकार मज्जन करि दिव्य वसन अंग सजि मज्जन कुंज सों श्रीलडैतीलालजू निकसत भये
तहा कैसी उपमा प्रगट होत भई मानो ग्रीषम ऋतु के आतप मे जैसे घन विजुरी दोउ प्रगट
त है हद भूमि सुवृष्टि भाव अंकुर नवीन इति रूपक फिरि श्रीरा[illegible]किसोरी श्रीराजकिसोरजू ज
दोनो मज्जनकुंज के मध्य मे वपूर्व वरानका आये सो दुषंड दहलान तहां दोसीढी की दिव्य रत्न
चोकी अति विचित्रता ये कोमल विछौना विछे है तहा नीचि की सीढी पर श्रीजनकनंदनीजू वैठत भ
ई ऊपर की सीढी पर श्रीराजकुमार वैठिके श्रीराजकिसोरीजू के वारन मे तेल फुलेल अति मधुर सोले
के सघन सचिक्कन कुटिल मेचक अलकारे सुकुमार श्रीलडैतीजू के केसन को आंछि के ललित वे
नी मुक्ता लर युत कोमल करसों भय संयुक्त गुहत भये दोनो वोर सखी चौर मुरछल लीने षडी
है एक सखी सनमुष सीसा लिये षडी है रागा श्रीलडैतीजू के भूषन लिन लिये षडी है भा सा

श्रीनृपनंदनजूके भूषनलियेषडीहै श्रीलडैतीलालजूपरस्परभूषनसजतभये इतिश्रीमज्जान २
कराजकिसोरीसरणकृतायांश्रीसीतारामरसतरंगिन्यांअष्टयामलीलावर्णनोनामचतुर्थस्तरंगः ४
याप्रकारसाधारनवस्त्रभूषनसजकेचौकीपरषेलनलगे तहांद्वैदंडदिनआवतभयो तासमैंके
लेवाकुंजसोएकसषीआवतभई फिरियहप्रकारहसिकेवोलतभई कलेवाकरिवेकोचलवोहोय
जूनवीतगई आपकोषेलमेजाननहीपरतहै यहप्रकारअतिमधुरतासोकहतभई तवश्रीमहा
राजकिसोरीश्रीमहा[illegible]राजकिसोरजूसहितसमाजश्रीकलेवाकुंजकोआवतभये तहांप्रथमचौ
कमेंअवाईकेनगारेवजे ताकोसुनिकेभीतरसोजुगलसषीकरकमलपरमंगलादर्शथारधारया
करके अपरअपनीसहेलीनसहितलिवाईवेकोसन्मुषआवतभई फिरिअर्घपावडेदेतभीतरलिवा
ईजातभई तहांकोवर्णन अतिविशालचौकोर चहुंवोरविद्रुममयसंपूर्णमंदिररचनाहै मध्यमें
भूमरेनूनीलमणिमयहै ता[illegible]केमध्यमेंएकविशालवेदिकाविद्रुममयहै तहांमणिराजटितकं
चनचौकीतापरअतिकोमलविछौनातहांसषीश्रीलडैतीलालजूकोवैठारतभई फिरिचरनप्रक्षा
लनअचवाईअतिसुगंधधूपदीपविधिकरिकेसषीकंचनथारमेंनानाभांतिकेपकवानपरोसिल्या
ई सोश्रीलडैतीलालजूकेआगेधरतभई तवदोऊप्यारीप्रीतमवि[illegible]लासपूर्वकएकहीथारमें
कलेउकरतभये श्रीराजकिसोरीजूकेमुषमेंकवरवनाईकेश्रीनृपनंदनदेतहैं अरुश्रीनृपनंदन
जूकेमुषमेंकवरवनाईकेश्रीनृपनंदनीजूदेतहैं परस्परपरमानंदकोप्राप्तिहोतहै अरु

सहचरी सवयह जुगल विलास कों निरषि के अति मगन होत हैं चारों पास सषी सों जल लिये
षडी हैं दो सषी दोऊ ओर जल झारी कंचनमय कर सरोज मे धारण किये सोभित हैं दो सषी
दोऊ ओर फटिक मणि के पात्र पान करसरोज मे लिये हैं बिच बिच जल प्यावत जाती हैं दोस
षी दोनो ओर महीन मधुर नर्म स्वेत अंगोछा लिये सोभित हैं अपस अनेकन सषी कर कंज
पर कंचन थार लिये परसत जाती हैं पूरी सुघ पूरी मोहनभोग गोझा पिराक मठरी या सेवबुंदि
या घाजे घेवर माजलेबी अमिरती मोती चूर मगद लडुवा बेसन के लडू चामर पीठ के लडू मीठे पुआ सीठे पुआ
गुलाबजामुन दही चूरा गुलाब पाग नारंगी पाग इत्यादिक अनेकन प्रकार का सषी परस जाती हैं हास
विलास पूर्वक गान करत जाती हैं या प्रकार सहित समाज श्रीलडैतीलालजू को कलेऊ कराय अचवाय अ
पकं गोछवी डी अपने हाथ श्रीरूपावतीजू श्रीलडैतीलालजू के मुष मे देत भई फिरि अपर दिव्य मणिम
य मंडप तहा दिव्य सिंहासन पर बैठाय कै अतर सुगंध फूलेमाल पहिराय मंगल चौक पूरि मंगलबा
जे बजाई आरती करि जुगल छवि कर दरपण ले विलोकत भई न[illegible]त्य गान करि श्रीलडैतीलालजू को रि
झावत भई इति श्री मज्जनकराजकिसोरी सरणकृतायां श्रीसीतारामरससंगन्यांक कलेवा भोजन वर्ण
नोनाम पंचमस्तरंगः ५ यह प्रकार एक पहर दिन आवत भयो फिरि श्रीलडैतीलालजू श्रीशृंगारकुंज
को पधारे तहा प्रथम चौक मे अवाई के नगारे बजत भये तिनको सुनिके भीतर सों जुगलजू प्यार
री कर कंज पर मंगलादर्श धारि धरि के सनमुष आवत भई अर्घ पाव डे देत भीतर लिवाय जात भई

तहांकावर्णन चारौओरदिव्यफटिकमणिकेउचेउदोहरेमंदिरवनेहैं तहांश्रीलडैतीलालजूकेनष
सिषकेभूषनअनेकप्रकारकेन्यारेन्यारेआगारवनेहैं तिनकीअधिकोरवतीससीन्यारीन्यारीहै
दिवालेफटिकमणिकीतामेवरावरदलामलीवनीहैं तामेश्रीभूषनसवएकएकवनकेअलग
अलगदिषातहैं टटोवनेनपरे वस्त्रैसमीताकेकोठातामेफिरिरंगरंगकेन्यारे घरताहीप्रकारसूत्र
वस्त्रकेतैसेहिदुसालादिकनके तिनहूकीअधिकारिणीन्यारीन्यारीहै याप्रकारकोटिनप्रकाकेव
स्त्रकोटिनप्रकारकेभूषनतिनकीकोटिनरत्नकासोदोषोकहैं एकश्रीजनकराजकिसोरीजूके
एकश्रीकौशलेशकिसोरजूकेभूषनवस्त्ररक्षिकातातहूमेफिरिभूषनवालीन्यारीवस्त्रवालीन्यारी
अरुभूषनवसनकीसंदूकेवहुप्रकारकीवनीहैं कोउगजाकृतिकोउअस्वाकारकोउमृगाकारकोउ
मयूराकारकोउमीनाकार तिनकेअंगनमेछोटेछोटेभीतरविभागवनेहैं सोकलफेरेसवखुलि
आवै अरुकलफेरेतवंदहोयजाय शृंगारकेसमयसषीउनसंदूकनमेभूषनवसनकोधरिके
करफेरेतवकेआपहीसेचलतहैं जहांलोचलावेअरुदरपनअनेकनप्रकारकीवनककेति
नकेन्यारेन्यारेमंदिरवनेहैं शृंगारघरनकेकोठान्यारेन्यारेवनेहैं यहप्रकारचारौओरललितमं
दिरावलीवनीहै ताकेछजेकंगूरेकलसझालरैचारौओरवरावरसोभितहैं ताकेमध्यमेदिव्य
कंचनमंडपतामेनानाप्रकारकेमणिमयचित्रवनेहैं अरुमहराबनमेछजनमेवडेमोतिन
कीझालरेतारावलीसीफहरहीहैं तहांएकदिव्यविशालमोतिनकीचोकीहै तापरदिव्यवसनहैं

रितवरनकेन मेंगादीतकियालगीहै तापरश्रीजनकनंदनीश्रीरघुनंदनजूकोंसखी[illegible]रतभई वैठा
फिरिअतिरुचिसोंअंगअंगवस्त्रभूषनसजतभई अरुअपरकोटिनसखी दोनोंओरअनेकअनेक
प्रकारकेवस्त्रभूषनलियखडीहै अवश्रीराजकुमारकोपाव[illegible]नमैतोउकंचनकेअतिसोभितहै न
खावलीचंद्रमाकीदुतिकोंमंदकरतहै अरुपायजामारूपहुलीजरकसीकोताकी[illegible]मोतहराल
लितहीराकनिन[illegible]सोजटितसोसखीपहिरावतभई तापरवंडीसुनहुलीजरकसी ताकीदावनकम
रपहीकवलाकंठाअंगा येसवजडाउअतिसोभितहै तापरकाटिपटलालजरकसीकोताकेढिगछो
रहरिततामेमकेसीवूटेजाल[illegible]वीचवीचश्सितारेलालअतिसोभितहै पटु
काढेजनीजरकसीकोताकेढिगछोरलालतामेमुक्ताजालफुंदेमकेसीअतिसोभितहै सिरपर
ललितकिरीटमुक्तामय तामेहरितमणिकीझालरलाल[illegible]मणिकेरुद्रमुकेसीतुरी वहुमणि
जटितकेलंगीइनसवनकीओकिरीटमेपांतिकीपांतिझलाफलीसोंफवरहीहै कुंडलजडाऊतामे
मोतिनकेझुमकाझुमकनकेवीचवीचएकएकनीलमणीमोरसलीकेफलकीआकारसोभित
है मध्यमेलोलकलोलविराजतहै कंठहांसअतिललितवुलाकमनहरनमुक्तामुंडमोहनमा
लचंद्रहार जयमालभुजअंगदरत्नजटितकरकंकनकरजमुद्रिकारत्नमयकमरमेमणिजटि
तवंटतेहनालम्हहनाल याप्रकारकोपेसककुजरखोंसेहै तिनमेमोतिनकोछरातामेनीचेमो
रसलीकेफलसहससहरितमणिकोछेलाईसोंझवाचलतमेहलतअतिसोभितहोतहै हा

थमेफलफेरतहै अरुनृपनंदनीजूकोगुलानारीजालदारकीमखापकोलहंगाजरकसीज
रावरेजानीलीसाटीजरकसीजरावकिनारीवेणीफूलकिंकिणीदारवीजजटितसीसफूलवंदीज
रावतामेमोतिनकीझालरललितवेंदाजरावताहूमेमोतिनकीझालरवेंदीजरावताकीढिगमेम
ङ्गाकनअतिलसतहै नथझूमकहारकंठपोतनीलवर्णदुलरीसतलरीहवेलचंपकलीचंद्रहा
र पदिकहारकरणफूलजरावताय मेकुमकेविचित्र चूडीकंकनवडकंकनवाजूचघडीछल्लाम
दरी आरसीकांचीपदकंकनमंजीरअरावटविछियाइत्यादिकवस्त्रभूषणसखीश्रीलडैतीलाल
जूकोअतिरुचिसोंहासविलासपूर्वकसजैकेएकासिंहासनवैठारिदर्पनदिखावतभई छवीली
छविनिरखिकेदुहुनकीसखीतनधनवारतीहै अरुश्रीलडैतीलालजूपरस्परछविनिरखिअति
मगनहोतहै संपूर्णभूषनअंगनवललाडिलेकेअंगविषेप्राप्तिहोयकेविसेषसोभितहोतभये अ
रुश्रीमिथिलेसनंदनीजूकेअंगनकोभूषनकीअपेक्षानहीहै सहजसुहावनेअमितअनंगलजा
वनेहरिहरमनभावनेपरिजनचितचावनेनेहनवीनवढावनेश्रीजुगलकिसोरकेअंगहेतामे
भूषनसोलाउमात्रहै विशेषसोभाकोहेतुनहीहै धूपदीपनैवेद्यकैएसखीआरतीकरतभई
वाजेअमितवजाईके इतिश्रीमज्जनकराजकिसोरीसरणकलायांश्रीसीतारामरसतरंगन्यां
नानाभूषनवसनधारणश्रृंगारकुंजवर्णनंनामषष्ठमस्तरंगः ६ यहप्रकारउठपहरादिन
आवतभयो फिरिश्रीमहाराजकिसोरीश्रीमहाराजकिसोरजूसजिकेसुभगसुपालकं प

चनरचितरत्नखचितकंचन कलसपचरंगमणिजालरमोतिनझब्बेविद्रुमवंसतामेसजि
रहेहैं वांसके मोहरामे दोनेओरसूर्यमणीप्रतिप्रकासितहै वांसकेऊपरछायावसनसजल
मेघवतवरराममनिवतप्रकासतामेमोतिनकोजालवूटेवेलिसोभितहै तामेविछोनाअतिविचित्र
वसनललितकोमलविछेहै तापरअसवारीकरतभये अरुपालकीको सुंदरदासिकानवीनव
यजिनकोदिव्यवसनभूषनसजेसोलियेहै सोरहआठआगेआठपीछेतिनकेकटिकिंकिनिमं
जीरकंकनताकीधुनिचलतमेअतिमधुरहोतमनहरतहै याप्रकारश्रीलडैतीलालसुखपाल
कीअसवारीचलेजातहै अरुसखीकोटिनरमासीरूरीरतिउपमाअतिकुरीदामिनीकीदुतिदू
रीकरतकामकेलिसूरी सोचारोओरचमरछत्रछायावानमोरछलआदिकअनेकनसोंजली
लापूर्वकलियसोभितहै नकीवनीकोटिनहाथमेकंचनजडाऊछडीलियेमधुरउच्चस्वरसोंवो
लतीहै अरुजयशब्दकोकोटिनउच्चारराकरतहै अरुसहनाईआदिकमधुरवाजेवजावतहै अ
रुअपरश्रीलडैतीजूकीसखीअपनेअपनेसमाजसहितसुखपालमेवैठिकेसंगमेसोभितहै
वडीमरजीवालीहै समवैभवकोप्राप्तहै सोसवनिमिवंसिनकीकन्याहै रूपगुनउज्यारीहै
सवनतेअदिककायदेवालीहै यहप्रकारश्रीमिथिलेंद्रकिसोरीश्रीकोशलेंद्रकिसोरजू सभा
मंडपकेमध्यपहुंचतभये तहांप्रथमसहीकोटिनराजकन्याकोटिनदेवकन्याकोटिनगंध
र्वकन्याकोटिननागकन्यासोअपनेअपनेकायदेसोवैठे र हीसरस्वतीउमारमासावि

त्रीसोसवउठिउठिप्रनामकरतभईअपनीस्वामीनिकोफिरिसरकारमध्यसिंहासनपर
वैठतभये तहासंपूर्णन्यारीन्यारीसमीपजायकेजुहारतहै नकीवनीतिनकोनामलैलैनिवद्य
नकरतजातहै सभामंदिरवरननं प्रथमचारोओरदिव्यकंचनमंदिरवनेहै सतखंडेतिनकेकंगू
रेकलसझवेझालरध्वजापताकागोकझरोषाजालयेसवपांतिकीपांतिसोभितहैनानारंगकीम
णिकरिकैसवरचितहै तहाचारोदिसामेचारद्ववजेहै ताकेमध्यमेभूमिनीलमनीमयहै तहांवेदी
परमविशालविद्रुममयहै पांचहाथऊंचीचौकोरललितवनीहै ताकेनीचेनानारंगकेमणिरचि
तमधुरमधुरकुन्नावलीअतिसोभितहै अरुकगारपरमणिरचितपुतरीचारोओरवरावरहाथमे
छडीलियेसोभितहै वेदीकेचारोकोनेमेचारहस्तीमरकतमणिरचितसोभितहै अरुपुतरीकेअली
केसमीपजायतवपकरिलेछोडेनही मरमीकरफेरकेछुडावैतवछोडै येहासरसकेहेतुहै अरुया
रचनाकेमध्यमेफिरितीनहाथऊंचीवेदिकावारिमणिकीहै ताकेऊपरमंडपरचनाहै सोऐसीसो
भाहोतमानोजलकेमध्यमेहै संपूर्णजलकेचिन्हदरसतहै मणिप्रभावकरिकै तहाप्रथमआव
रणखंभादिरचनासोसंपूर्णरौप्यमयहै तहासवकोअधिकारहै दूसरेकंचनमयहै तहादेवक
न्यासंपूर्णअपनेसमाजसहितसोभितहै तीसरआवरनीलमणिमयहै तहासंपूर्णगंधर्वक
न्यासहितसमाजसोभितहै चौथेफटिकमणिमयतहासंपूर्णनागकन्याअपनेसमाजसहित
सोभितहै पंचमावरणविद्रुममणिमयहै तहासंपूर्णउत्तरदेसकीनरेंद्रकन्यासहितसमाज

सोभितहै षष्ठमावरणपिरोजामणिमयहै तहांसंपूर्णदक्षिणदिसाकीमहीपकन्यासमाज
सहितसोभितहै सप्तमावर्णहरितमणिमयतहांसंपूर्णपूर्वदेसस्थनरेंद्रकन्यासहितसमाजसोभि
तहै अष्टमावर्णपाटलमणिमयतहांसंपूर्णपश्चिमदेसकीनरेंद्रकन्यासहितसमाजसोभितहै
नवमावरणमुक्तामयहै तहांसंपूर्णमिथिलापुरकोसमाजहै ताकेमध्यमेंदिव्यकंचनमयनाना
रंगरत्नजटितस्तंभादिकरचनाताकेमध्यमेंचतुरावृतकोललितसिंहासनरत्नमयहै तहांप्रथमा
वृतमेंचौसठज्यूथेस्वरीललितश्रृंगारनीलवस्त्रसजेसोभितहै द्वितीयावृतिमध्यबत्तीसज्यूथेस्व
रीदिव्यभूषनपीतवसनसजेअतिसोभितहै चतुर्थावृतिमध्यश्रीचारुसीलादिकमुक्तामयभूष
नहरितवसनसजेसोभितहै तिनकेमध्यमेंश्रीजनकनंदनीश्रीरघुनंदनजूविराजतेहै जुगलसखी
जुगलछत्रमुक्तावरणहरितमणिकीझालरकनकदंडतिनकोलियेपिछारीखडीहै जुगलजुग
लसखीदोनोंओरचमरकरतीहै जुगलयुगलसखीमुरछललियेसोभितहै अपरअनेकनसौं
जकोलीदेनीचखडीहै फिरपुरवनिताअनेकननृत्यगानमेंबहुतनिपुनअत्यंतरूपवतीहैशिव
ब्रह्मादिकजिनकोदेषिकेमोहै सोसबआइकेमुजराकरतजातहै फिरिनटनीअनेकनसोंआइ
व केमुजराकरतभई फिरिभांउनकीवनिताअनेकनरूपल्याइकेनकलकरिकेरिसवसभाकोह
सावतीहै इतिश्रीमज्जनकराजकिसोरीसरणाख्यतायांश्रीसीतारामरसतरंगन्यांसभारहस्य
सभाकुंजवरननोनामसप्तमस्तरंगः ७ याप्रकारचौदहदंडदिनआवतभयो फिरिश्रीलडैती ९

लालजूभोजनकुंजकोआवतभये तहाप्रथमचोकमेअवाईकेनगारेवजतभयेतिनकोसुनि
केभीतरसोजुगलसखीसोलिवावनेकोसन्मुखआवतभई कंचनपात्रसोंअर्घदेइजुहारक
रि श्रीराजकिसोरीश्रीराजकिसोरकोंभीतरलिवाईजातभई तहाकोवरनन चारोदिसिचार
पाकमंदिरवनेहै तहापूर्वदिसिमेकंचनमयमंदिरतहासंपूर्णकचौसामग्रीतहाकीअधि
कारिणीवरस्रूपानामासखीहै अरुदक्षिणदिसिमेफटिकमणिरचितमंदिरतहासंपूर्णपक
वानघृतपक्वतहाकीअधिकारिणीकुमकुमाणीनामासखीहै उत्तरदिसाविषेप्रवालमयमंदि
रहै तहासंपूर्णपेडादिकमिठाईरहतहै तहाकोअधिकारिणी[illegible]अनूपानामसखीहै पश्चिम
ओरहरितमणिमयमंदिरहै तहाअनेकप्रकारकेअथानेरहतहै तहाकीअधिकारिणीषिरोन्च
नीनामासखी तामेफिरि चारोमेएकएकप्रकारकीवस्तुकेएकएकघरभिन्नहै ऐसेअसंख्यहै
चारोकेमध्यमेअतिविसालभोजनसालहै कंचनमयनवरंगरत्नरचितपचरंगपरदेविचि
त्रचंदेवातहाविचित्ररत्नचौकीतापरअतिनर्मविछोनातापरश्रीलडैतीलालजूवैठतभ
ई अरुआसपासमंडलाकारसंपूर्णसखीविद्रुमकनकपाटीरत्निकेसुंदरपीढावनेहै ता
परवैठतभई तवप्रथमअनेकनसखीसोसवनेकेआगेकंचनथारमुक्ताफटिकपिरोजा
मरकतहीराजवाहिरमणिचांदीयेसववस्तुकेकटोरासोसवकेआगेचौकिनपरधरत
भई फिरिनवलनागरीकरकमलपरकंचनपात्रतामेषटरसचारिप्रकारकेभोजनता

कोपरसतहै अतिमधुरस्वरसोंगानकरतजातहै फिरिश्रीजनकनंदनीश्रीरघुनंदनजूकेआगे
सषीभोजनचौकीधरतभई ताकोवरनन आठपहलमरकतमणिकीएकचौकीतामेमुक्ताक
नजाललालपीतअसितसितमणिकीजालरकंचनकीपाएआठ मोरदारलंबीचौडीहाथएक
विलादएकऊचीताकेऊपरएक कमलसहस्त्रदलविंद्रुममयनीलहरितमणिमयसरलिप्र
अ.रु. मारों[illegible]कमलकेमध्यकरनिकाकंचनमेंयताकेऊपर [illegible]सषीदिव्यविशालकनक
थारधरतभई तामेषटरसचारिप्रकारकीसामग्रीसषीपरसतहै अपरअनेकनसषीसो
वडेवडेकनकपात्रतामेसंपूर्णसामग्रीलियेआगेषडीहै अरुसषीदोनोओरथारकेस
मीपषडीसोउनसोलैलैपरसतजातहै दोसषीदोनोओरकंचनझारीकरकंजमेलियेषडी
है। दोसषीदोनोओरपानपात्रकंचनमयतिनकोलियेषडीहे द्वोसषीदोनोओरस्वेत
नर्ममहीनअंगोछालियेषडीहै सवतत्परहे यहप्रकारश्रीलडैतीलालजूप्रथमसलो
नेभोजनपावतभये फिरिसघंउवस्तुजेवतभये फिरिसौंधवस्तुवेसनकीवडुप्रकारकी
सोजेवतभये येतीनप्रकारभोजनकेहै ताहीप्रकारसहितसमाजहासविलासपूर्वक
श्रीलडैतीलालजूभोजनकरतभये फिरसषीभोजनचौकीआगेसोंउठाईकेअचवन
करवावतभईअपरकोउपानदानलियेषडीहे कोउपीकदानलियेषडीहै कोउवस्त्रलि
येषडीहे कोऊमुकुरलियेषडीहे कोऊदर्पनलियेषडीहै याप्रकारसषीश्रीलडैती

लालजूकोआचवनकरवाईवीओ देरसाधारन वसनभूषनसजिअतरस्गंधफूलमालप
हिराईदिव्यरत्नजटितसिंहासनवैठारिकंचनथारसजिआरतिकरतभई इतिश्रीमज्जन
कराजकिसोरीसरणाकृतायांश्रीसीतारामरसतरंगन्यांभोजनकुंजभोजनलीलावर
नोनामअष्टमस्तरंगः ८ याप्रकारदुइजामदिनआवतभयोफिरिश्रीमहाराजकुमारी
श्रीमहाराजकुमारमध्यान्हसैनकुंजकोपधारतभये तहाप्रथमचौकमेंआवाईकेनगारेव
जतभये ताकोसुनिकेसैनमंदिरकीअधिकारिणीश्रीप्रियाप्रीतमकोलिवाईवेकोसन्मुख
करमंगलथारलैआवतभई फिरिअर्घदेप्रणामकरिभीतरलिवाअजातभई तहाकोवरनन
भूमिफटिकमणिमैताकेभीतरछायादर्शनहाराअहराकोटिनवनितानवीनवयअरुपुरुष
सोपरसपरललितकेलिकरतदरसतहै ह्वरानानारंगकेफूलफूलेहैं भ्रमरभ्रमिरहेहैंअनेक
जातिकेपक्षीविहारकरिरहेहैं याप्रकाअनेकनकौतुकदरसतहै मणिप्रभावकरिके
मणिादोजातिकीहोतहै एकवरणाशारमणिएकअदरसमणि ताहूमेंसिंहादरसादिभे
दअनेकनहै फिरतहामंदिरावलीचौकोरनीलमणिमयहै जालझरोखा गोकपद्मरागमणिके
वनेहैं झालरअहलादुमोतिनकेहैं कलसकपूरेकंचनमयहै परदेजालविविधिरंगकेवनेकिं
किंनीदारतिनमंदिरनकेभीतरषंउप्रतिपंडवउप्रकारवनेहैं तिनमेदिव्यमणिमयपलकाविछे
हैंसंपूर्णासाजसहिततहासंपूर्णाज्ञयेश्वरीसरकारकीमराजीपाईकेप्रवेसकरतभईआप

नेसमाजसहितग्ररुमध्यमंदिरकंचनमयविशाललालितझरोषेजालविचित्रचित्रप्रभाकोटिनमित्र
सकलसोंजपवित्रतहामध्यषेडमेसीसेनानाप्रकारकेजटितहै जालदारहरितकीमषावकीजाज
मेविछीहै तामेहसियालालकीमषावकोस्त्रतिसोभितहै तापरललितपलगसोभितहै ताकेपाय
चारौमोतिनकेसोभितहै पाटीसिरवाहरितमणिमयहै तामेझालरगंगायमुनीकनकमरकतमयहै
निवाररेसमीमुकेसीवूटेदारलगीहै तापरललितनर्मविछोनापयफेनसेनीदकेऐनसेविछेहै ता
परश्रीमिथिलेशनंदनीश्रीरघुनंदनजूसयनसुषलेतभये अंगजाग्रषप्रसिद्धसेवातत्परहोतभई
अपरपलंगचौकीकीसवसवासिनीछंडछंडप्रतिषडीहै द्वारद्वारप्रतिषोडसषोडस इतिश्रीमज्ज
नकराजकिसोरीसरणाक्तायांश्रीसीताराममरसतरंगन्यांसैनसमयवरननोनामनवमस्तरंगः ९ या
प्रकारसवाउपहरदिनरहतभयो तवश्रीचारुसीलाजूसंपूर्णजुथ्येस्वरीसहितश्रीललितीलालके
शैनकुंजकोग्रावतभई तहावीणावजाइललितकंठसोजगायवेकेहेतुसषीमधुरस्वरसोसोहनेगीत
गानकरतभई ताकोसुनिकेश्रीललितीलालजूजागतभये पर्यंकपरउठिवैठेतवअंगजापीछेमसलं
दधरतभई वस्त्रभूषनसुधारिसोअंगप्रविष्टहोतभई तवभीतरसोसषीनेपरदेषोलिदिये तवश्री
सर्वेस्वरीजूसहितसर्वजुथ्येस्वरीग्राइसमयसेवातत्परहोतभई प्रथमहरिचंदनकीचौकीविचि
त्रवनकाजाकीस्रुतिस चिघनता परनर्मविछोनातकियासोश्रीचंद्रकलाचंद्रवतीजूपर्यंक
केसमीपधरतभई तवश्रीमिथिलेसनंदनीश्रीराजीवलोचनपलंगपरसोंउतरिकेप्रति ११

रमकसोंचोकीपरवैठेतवश्रीचारुसीलाजूश्रीराजकुमारीजूकोअरुश्रीलक्ष्मणाजूश्रीरा
जकुमारजूकोअचवनमुखप्रक्षालनकरवाईअंजनतिलकसवारिदर्पनदिखावतभई फिरि
मध्यानसेनकुंजेस्वरीधूपदीपमनप्रसन्नताहेतुपादिदोषनिवारनमंगलोदीपनार्थकरिकेउथ्या
पनभोगरितुअनुसारमधुरद्रवेसनकेलडूचावरपीठकेलडूगरममसालेदारसोपावावतभई फिरि
६ अचवातांवूलदेउथ्यापनकीआरतीकरतभई फिरिसंपूर्णवाजेमिलाइछंदप्रवंधगानताकरनल
गी इतिश्रीमिज्जनकराजकिसोरीसरणाकृतायांश्रीसीतारामरसतरंगन्यांमध्यान्हशेनउथ्यापनव
र्णनोनामदसमस्तरंगः १० याप्रकारएकपहरदिनशेषरहोतासमयश्रीलडैतीलालकोजलके
लिकरवेकीइच्छाभई नवसमासहितनिदाघाकुंजमेआवतभये तवप्रवेसकरतसंतेवर्तमानहि
मव्यतुकेसतूलवस्त्रसोअंगनेसलगतभये तववाकुंजकीअधीस्वरीपूजनकरिव्यतुअनुकूलमही
न्अतिसीतलवहुरंगकेवस्त्रतिनकेमंजूषामणिमयरंगरंगकेखोलिदियतवयथारुचिसवपहि
रतभये अरुश्रीलडैतीलालजूकोंसखी निदाघानामासोगुलावीवसनपहिराउसुमनश्रृंगार र
चिअरगजेगुलावछिरकरतभई फिरिश्रीनवलकिसोरजूफुहारचौकमेसमाजसहितवैठतभये
चारोंओरनानाप्रकारकेफूलफूलरहेहैं पवनसीतलमंदसुगंधवहतहै अरुहोदकेचारोंओरपु
तरीतिनकेहाथमेमृदंगतमूरासारंगीसोफुहारेकेजलसोहोदभरिआयेतवसववजनलगेखर
तालमिलिकेतहाएकघडीविलसतभये फिरिजलक्रीडाकेहेतुकेलिकुंडकोचलतभये जैसेम

दमत्तकरिकरिणीश्री प्रियापीतमदोअपरसपरगलवाहीदिये विलासावेसितअमितसखिनकेम
ध्यकैसेसोभितहोतमानोकोटिनदामिनीकेमध्यविचित्रघनदामिनीजैसेकोटिनकनकलतानम
ध्य विचित्रकनकलतातमालयाप्रकारश्रीलडतीलालजूकेलिकुंडकेसमीपपहुचतभय त
हांकोवर्णन चहूंओरतालतमालसालसरलापुंगनालकेरिखरजूरपुगमपत्रजावूकहरिचंद
नसंतानमंदारपारिजातकल्पवृक्षइत्यादिद्रुमावलीसफूलसफलसपरस्पातिकीविदी विचित्रकं
नमयरत्नखचितअतिसोभितहै अरुजहांतहांपुष्पद्रुमनकेतरेझरिझरिकेरंगरंगकेपुष्पविछिर
हेहैसोमानोवसंतनृपकेनानाभांतिविछौनाविछिरहेहै तहांभ्रमरगुंजारकरतपुष्परसपानकरि
मतवारेहोइगिरिपरतफिरिपुष्पपनपरजाइवैठत अरुचातकहंसचकोरपारावतसारसकंक
सुककादंवककलरवइत्यादिअमितपक्षीसोविलासकरिरहेहै याप्रकारविचित्रवनताकेम
ध्यमेकेलिकुंडअतिसोभितहै ताकेघाटचारोकंचनरचितरत्नखचितसोपानहरितमणिम य
पद्मरागकंचनकरिविचित्रवनीहै ताकेपरदेमणिमयजालदारवनेहै तामेरास्ताजलमेहोइ
केवनीहै डूवीमाएकेजायतहां छिपवेकेगुप्तघंडअनेकवनेहै अरुघाटकेऊपरचारोकेनिपरावि
चित्रवंगलावनेहै अरुसुगंधमयनिरमलसीतलअ गाधजामेनानारंगकेकमलफू।
लिरहेहै भ्रमरगुंजतहैजलपक्षीमधुरशब्दकरिरहैहै तहाश्रीजनकनंदनीरघुनंदनजूस
हितसमाजवसनउतारिअपरछरेवस्त्रधारनकरिजलकेलिकरनलगे जिनप्रथमहिवस

नभूषनउतारेसोउतारेजोनहीउतारनपाय तिनकोपररपरभूषनवसनसहितजलमेवोरतभई
तवदोघोकहोयकेरसरा[illegible]रिहोतभई परस्परमारहोनेलगीतहाकोउनेत्रकोतकिकेकरपिचकारी
चलावतहै कोउछीटेमारिभगावतहै कोउकमलनकीमारकरतहै कोउजलकेभीतरडूविकेपा
वपकरिषेंचतहै अतिकरववढ्योरोकेरुकेनहीतवश्रीप्यारीलालदोउसंकेतरचिकेजलमार्गहो
एकेगुप्तषंडमेप्रवेसकरतभये कोउकोजानिनपरीतववडीवेरमेएकसुघरसषीचारोओरदृष्टि
फेरिकेवोलतभई अरितुमकेसीहोविनाराजाकहूकौजलरतहै येवचनसुनिकेसवअचंभि
तभई फिरजिततितषोजतभई वहुतजलमेपैठिपैठिढूढतभई वहुतउपवनमेजिततितज्यप्पायु
प्यफिरढूढतिफिरतीहै याप्रकारसवव्याकुललषिश्रीलडैतीलालजूजलकेभीतरसोंनिकस
तभये जनुजुगलपूर्णचंदजलआकासकीउपमाकोप्राप्तभयो सषीकुमोदिनीप्रफुल्लितहोतभई
फिरएकसषीमदनभेरीवजावतभई तिनकोसुनिकेसवसषीजिततिततेंजुरिआई प्रियाप्रीतम
कोप्रसन्नवदननिहारिअतिप्रसन्नतासोवलैयालेननलगी फिरिसवक्रीडाकरनलगीअदूनपरच
ढिचढिकेजलमेकूदतहै मानोआकासतेंविजुरीजलमेप्रवेसकरतहै कोउजलमेकुलाँट
लेतमानोआकासमेदामिनीदुरतप्रगटतफिरसवकेअंगजलमेडूवेमुखयमघदरसतसो
मानोसमुद्रकोअभिमानषंडनकरिवेकोकोटिनमयंकदरसाये फिरसंपूर्णअंगजलमे

ग्रं. सं. ३६

मग्नहै हों अयययहाथदरसतसोभानोजलकेकमलकेपरस्परकरखाकरखीभई तवगेंविषे
उनकरिविकेहृकुमपनेसैश्वर्य्यकरिकेअपूर्वकमलअगवकिये तवश्रीनिदाघानामाकुंज
कीअचीखरीसौसवकोयथाहचिनवीनवस्त्रभूषननानारंगकेपहिरावतभई अरुश्रीलडे
तीलालकोसंदलीपोसाभिहीनसुगंधमयपहिरायअंजनतिलकभूषनसजतभई फिरदि
व्यमणिमयसिंहासनवैठारिधूपदीपविधिकरि मधुरभोजनकरवाई अचवाइपानपवा
इसुगंधअतरफूलमालपहिराई श्रीनिदाघाजूकंचनमयमणिजटितथारमेकपूरवातीअ
घसंजोईआरतीकरतभई वाजेवहुतेकवाजनलगे इतिश्रीमज्जनकराजकिसोरीसरराह्क
तायांश्रीसीतारामरसतरंगन्यांमध्यानशैनोत्थापनानंतरं संध्यानीराजनपर्यंतचरितक
थनोनामएकादसस्तरंगः ११ तदनंतरंश्रीजनकनंदनीश्रीरघुनंदनसुषपालकीअसवा
रीश्रीसर्वानंदभवनकोआवतभये तहांदुघंडेपरअतिविशालकचूतहारेसमीपरसला
लअतिविशालविविधिभांतिकेवूटेजालजाजमेसोविछीहै चारोंओरपातिकीपांतिदीप
कमणिजटितताकोअतिप्रकासहोइरहोहै तहांअमितअलिगणसहित[illegible]ल
वैठतभये तासमयअमितदेसदेसकेराजकुमारकोटिनरघुवंसिनकेकुमारकामहुतेअ
तिसुंदरचातुर्य्यनिधि तैसेहिश्रीमहाराजकोशलेसजूकेअपरकुमर श्रीनिधिविद्यानि